IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, October 2025 Impact Factor: 7.67

bnkSj 'kgj ds vkèkkjHkwr fodkl esa çèkkueU=h tu èku ;kstuk dk vkykspukRed vè;;u

डॉ. राजेश वर्मा

कुलगुरु, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर म.प्र.

सोनिया देसाई

शोधार्थी, वाणिज्य, PMCOE, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

इंदौर, मध्य प्रदेश

lkjka'k %

यह शोधपत्र इंदौर शहर के संदर्भ में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) की प्रभावशीलता और उसके आधारभूत विकास में योगदान का आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। योजना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना और वित्तीय समावेशन के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है। इस अध्ययन में इंदौर नगर क्षेत्र के 159 लाभार्थियों को न्यादर्श के रूप में चुनकर सर्वेक्षण किया गया, जिनसे प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत और तुलनात्मक विधियों द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि योजना ने निम्न आयवर्ग और महिलाओं में बैंकिंग पहुँच को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है, लगभग 92% उत्तरदाताओं का पहला बैंक खाता इसी योजना के तहत खुला। 61% लाभार्थी महिलाएँ भी इस योजना का लाभ ले पा रही है, जिससे स्पष्ट हुआ कि इस योजना ने महिला वित्तीय सशक्तिकरण को प्रोत्साहन दिया।

इसके अतिरिक्त, योजना ने रूपे कार्ड, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) और बचत की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दिया है, जिससे स्थानीय आर्थिक ढाँचे में स्थायित्व आया है। यद्यपि वित्तीय साक्षरता, दस्तावेज़ी प्रक्रिया की जटिलता और बैंकिंग भीड़ जैसी समस्याएँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी योजना ने इंदौर के शहरी समाज को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने में सराहनीय भूमिका निभाई है। निष्कर्षतः, प्रधानमंत्री जन धन योजना न केवल वित्तीय समावेशन का माध्यम बनी, बल्कि इंदौर शहर के सामाजिक और आर्थिक आधारभूत विकास का सशक्त उपकरण भी सिद्ध हुई है।

eq[; 'kCn% प्रधानमंत्री जन धन योजना, वित्तीय समावेशन, आधारभूत विकास, इंदौर, लाभार्थी।